



# राजपत्र, हिमाचल प्रदेश (असाधारण)

हिमाचल प्रदेश राज्य शासन द्वारा प्रकाशित

शिमला, बुधवार, 10 सितम्बर, 2003/19 भाद्रपद, 1925

हिमाचल प्रदेश सरकार

भावकारी एवं कराधान विभाग

प्रधिसूचना

शिमला-171 002, 3 सितम्बर, 2003

संख्या ई० एक्स० एन०-एफ(12)5/95-III.—हिमाचल प्रदेश के राज्यपाल, हिमाचल प्रदेश साधारण विक्रय कर अधिनियम, 1968 (1968 का 24) की धारा 14 की उप-धारा (1-क) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, इस विभाग की अधिसूचना संख्या ई० एक्स० एन०-एफ(12)5/95-II, तारीख 5 सितम्बर, 2002 द्वारा राजपत्र, हिमाचल प्रदेश (असाधारण) में प्रकाशित हिमाचल प्रदेश साधारण विक्रय कर स्वतः निर्धारण सद्भावना स्कीम, 2002 में और संशोधन करने के लिए निम्नलिखित स्कीम बनाते हैं, अर्थात् :—

1. संक्षिप्त नाम.—इस स्कीम का संक्षिप्त नाम हिमाचल प्रदेश साधारण विक्रय कर स्वतः निर्धारण सद्भावना (तृतीय संशोधन) स्कीम, 2003 है।

2. पैरा 1 का संशोधन.—हिमाचल प्रदेश साधारण विक्रय कर स्वतः निर्धारण सद्भावना स्कीम, 2002 (जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त स्कीम कहा गया है) के पैरा 1 के उप-पैरा (2) के स्थान पर निम्नलिखित प्रतिस्थापित किया जाएगा, अर्थात् :—

“(2) यह निर्धारण वर्ष 2002-2003 के पूर्ववर्ती किसी निर्धारण वर्ष, निर्धारण वर्ष 2002-2003; और वर्ष 2002-2003 के पश्चात्वर्ती निर्धारण वर्षों के लिए लागू होगा।”

3. पैरा 4 का प्रतिस्थापन.—उक्त स्कीम के पैरा 4 के स्थान पर निम्नलिखित प्रतिस्थापित किया जाएगा, अर्थात् :—

“4. पात्र व्योहारियों द्वारा स्वतः निर्धारण इत्यादि की विवरणी दाखिल करना और लघु व्योहारियों के लिए अपवाद.—इस स्कीम के अधीन स्वतः निर्धारण के लिए पात्र व्योहारी, समुचित निर्धारण प्राधिकारी को द्वितीय में स्वतः निर्धारण की विवरणी प्ररूप एस0 ए0 एस0-I में, और केन्द्रीय विक्रय कर अधिनियम, 1956 के अधीन व्यापार लेखे और वैधानिक घोषणाएं तथा प्रमाण-पत्रों के साथ स्वतः निर्धारण स्कीम में अन्य व्योहारियों से निर्धारण वर्ष के दौरान विक्रय के लिए खरीदी/प्राप्त की वस्तुओं की विवरणी प्ररूप एस0 ए0 एस0-II में किसी पूर्व निर्धारण वर्षों और निर्धारण वर्षों 2001-2002 के लिए 31 अगस्त, 2003 तक ; और निर्धारण वर्ष 2001-2002 के पश्चात् वर्षों के लिए 31 अक्तूबर दाखिल कर सकेगा :

परन्तु व्योहारी जिसका सकल आवर्त निर्धारण वर्ष के दौरान दस लाख रुपये तक का है, से प्ररूप एस0 ए0 एस0-II भाग-I की सूचना को दाखिल करने की अपेक्षा नहीं की जाएगी, किन्तु वह निम्नलिखित प्रमाण-पत्र प्रस्तुत करेगा :—

“मैं/हम एतद्वारा घोषित करता हूँ/करते हैं कि मेरे/हमारे पास प्ररूप एस0 टी0-XXV में समस्त प्रमाण-पत्र और केन्द्रीय विक्रय कर अधिनियम, 1956 के अधीन विहित घोषणाएं मेरे/हमारे कब्जे में हैं, जिन्हें निर्धारण वर्ष के समाप्त होने से तीन वर्ष की अवधि के लिए परिरक्षित रखा जाएगा।”

4. पैरा 7 का परिस्थापन.—उक्त स्कीम के विद्यमान पैरा 7 के स्थान पर निम्नलिखित रखा जाएगा, अर्थात् :—

“7. निर्धारण प्राधिकारी द्वारा कतिपय मामलों की संवीक्षा करना.—इस स्कीम में किसी प्रतिकूल बात के होते हुए भी, पैरा 4 के अधीन दाखिल की गई स्वतः निर्धारण विवरणी, प्राप्त मामलों की कुल संख्या के 20 प्रतिशत तक नियमित निर्धारण के लिए यदा-कदा नमूने लेने के अध्वधीन होगी और ऐसे यदा-कदा नमूने (रेन्डम सैम्पलिंग) लेना आयुक्त के आदेशानुसार किन्हीं पूर्व निर्धारण वर्षों और निर्धारण वर्ष 2001-2002 के लिए 30 सितम्बर, 2003 तक ; और 2001-2002 निर्धारण वर्ष के पश्चात्, पश्चात्वर्ती वर्षों के लिए 31 दिसम्बर तक पूर्ण किया जाएगा :

परन्तु 10 लाख रुपये तक सकल आवर्त होने वाले व्योहारी की दशा में ऐसे यदा-कदा नमूने लेना 5 प्रतिशत तक ही होगा ।

5. एस0 ए0 एस0 प्ररूप-II का संशोधन.—उक्त स्कीम से संलग्न एस0 ए0 एस0 प्ररूप-II के भाग-II में अभिस्वीकृति में, “किसी पूर्ववर्ती निर्धारण वर्ष और निर्धारण वर्ष 2001-2002 के लिए 30 अप्रैल, 2003 और आगामी निर्धारण वर्षों के लिए 31 दिसम्बर” श्रंको, शब्दों और चिन्हों के स्थान पर, “किन्हीं पूर्व निर्धारण वर्षों और निर्धारण वर्ष 2001-2002 के लिए 30 सितम्बर; और निर्धारण वर्ष 2001-2002 के पश्चात्, पश्चात्वर्ती वर्षों के लिए 31 दिसम्बर” श्रंक, शब्द और चिन्ह रखे जायेंगे ।

आदेश द्वारा,

हस्ताक्षरित/-  
प्रधान सचिव ।

[Authoritative English text of this Department Notification No. EXN-F(12)5/95-III, dated 3rd September, 2003 as required under clause (3) of Article 348 of the Constitution of India].

## EXCISE AND TAXATION DEPARTMENT

### NOTIFICATION

Shimla-171 002, the 3rd September, 2003

**No. EXN-F(12)5/95-III.**—In exercise of the powers conferred by sub-section (1-A) of section 14 of the Himachal Pradesh General Sales Tax Act, 1968 (Act No. 24 of 1968), the Governor of Himachal Pradesh is pleased to make the following scheme further to amend the Himachal Pradesh General Sales Tax Self-Assessment Sadbhavna Scheme, 2002 notified by this department vide notification No. EXN-F(12)5/95-II, dated 5th September, 2002 published in Rajpatra, Himachal Pradesh (Extra-ordinary) on 9-9-2002, namely :—

1. *Short title.*—This Scheme may be called Himachal Pradesh General Sales Tax Self-Assessment Sadbhavna (Third Amendment) Scheme, 2003.

2. *Amendment of para 1.*—In para 1 of the Himachal Pradesh General Sales Tax Self-Assessment Sadbhavna Scheme, 2002 (hereinafter called the “said scheme”), for sub-para (2), the following shall be substituted, namely :—

“(2) It shall be applicable for, any assessment year, preceding, assessment years 2002-2003, the assessment year 2002-2003 ; and the assessment years subsequent to the years 2002-2003”.

3. *Substitution of para 4.*—For para 4 of the said Scheme, the following shall be substituted, namely :—

“4. Eligible dealer to file statement of self-assessment etc. and exception for small dealers, A dealer eligible for self-assessment under this Scheme may file, in duplicate, a statement of self-assessment to the appropriate Assessing Authority in Form S. A. S.-I and the statement of goods purchased/received for sale during the assessment year from other dealers in Form S. A. S.-II, alongwith the trading account and statutory declarations and certificates under the Central Sales Tax Act, 1956, by 31st August, 2003 for any previous assessment years and the assessment year 2001-2002: and by 31st October for subsequent years after the assessment year 2001-2002 :

Provided that a dealer having his gross turnover during the assessment year upto Rs. 10 lakhs shall not be required to file information in Form S. A. S.-II Part-I, but he shall furnish the following certificate :—

“I/We hereby declare that I/We have in my/our possession all the certificates in Form ST-XXV and the declarations prescribed under the Central Sales Tax Act, 1956 which shall be preserved for a period of three years from the close of the assessment year.”.

4. *Substitution of para 7.*—For existing para 7 of the said Scheme, the following shall be substituted, namely :—

“7. Assessing Authority to take up certain cases for scrutiny.—Notwithstanding anything to the contrary contained in this Scheme, statement of self-assessment

filed under para-4 shall be subject to random sampling for regular assessment up to 20% of the total number of cases received and such random sampling shall be completed as per the orders of the Commissioner, upto 30th September, 2003 for any previous assessment years and the assessment year 2001-2002; and by 31st December, for subsequent years after the assessment year 2001-2002:

Provided that in the case of dealers having gross turnover upto Rs. 10 lakhs, such random sampling shall be upto 5%."

5. *Amendment of Form S. A. S.-II.*—In Form S. A. S.-II appended to the said Scheme, in PART-II, in the ACKNOWLEDGEMENT, for the figures, words and signs "30th April, 2003 for any previous assessment years and the assessment year 2001-2002 and 31st December, for subsequent assessment years", the figure, words and signs "30th September, 2003 for any previous assessment years and the assessment year 2001-2002; and by 31st December, for subsequent years after the assessment year 2001-2002", shall be substituted.

By order,

Sd/-  
Principal Secretary.